Roll No. ________ **Code No. PA-037**

FOURTH SEMESTER EXAMINATION 2021-22

Class - B.A.

Subject - Sanskrit

¼i| rFkk lkfgR;kfrgkl½

Time : 2.30 Hrs. **Max. Marks : 80**

Total No. of Printed Page : 04 **Mini. Marks : 28**

---

ukV % i'u i= rhu [k.Mk e foHkDr g A lHkh rhu [k.Mk d i'u fun'kkuqlkj gy dhft,A vdk dk foHkktu iR;d [k.M e fn;k x;k gA

[k.M & ^v*

vfry?kqmRrjh; i'u &

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये – 2x10=20

(i) कालिदास की कितनी रचनाएं है ?

(ii) मायावी सिंह का क्या नाम था ?

(iii) रघुवंश के रचाकार कौन है ?

(iv) रघुवंश में कितने सर्ग है ?

(v) भतृहरि की किसी एक रचना का नाम लिखिये।

(vi) नीतिशतक में साक्षात्पशु किसे कहा गया है ?

(vii) कान की शोभा किससे होती है ?

(viii) उत्तर रामचरितम् किसकी कृति है ?

(ix) किरातार्जुनीयम् के रचनाकार कौन है ?

(x) भामिनी विलास के रचनाकार का नाम लिखिये।

[k.M & ^c*

y?kmRrjh; i'u & 5x4=20

प्र.2 ''दिन क्षपा मध्यगतेव सन्ध्या'' सूक्ति की व्याख्या कीजिये।

vFkok

प्रजाः प्रजानाथ पितेवपासि'' इस सूक्ति का भावार्थ लिखिये।

प्र.3 रघुवंश द्वितीय सर्ग का सारांश लिखिये।

vFkok

अर्थ लिखिए –

स की चकैर्मारूत पूर्णरन्ध्रैः कूजद्भिरा पादित वंश कृत्यम्।
सुश्राव कुंजेषु यशः स्वमुच्चैरूद्गीयमानं वन देवताभिः।।

प्र.4 ''मणिना भूषितः सर्पः किमसौ न भयंकरः'' इस सूक्ति की व्याख्या कीजिये।

vFkok

नीति शतक में वर्णित विशेषताओं का उल्लेख कीजिये।

प्र.5 किसी एक पर टिप्पणी लिखिये –

1. अभिज्ञानं शाकुन्तलम ।
2. शिवराज विजय।
3. मृच्छकटिकम् ।

vFkok

कथा साहित्य पर प्रकाश डालिए।

[k.M & ^I*

fdUgh pkj i'uk d mRrj nhft ;s & 10x4=40

प्र.6 अधोलिखित में से किन्हीं दो श्लोकों की व्याख्या कीजिये –

(अ) तस्याखुरन्यासपवित्रयां सुरपांसुलानां धुरि कीर्तनीया।
भार्गं मनुष्येश्वर धर्मपत्नी, श्रुतिरिवार्थं स्मृति रूवगच्छत्।।

(ब) अलं महीपाल तव श्रमेप प्रयुक्तमप्यस्त्रमितो वृथा स्यात् ।
न पादपोमूलनशक्ति रंहः शिलोच्चये मूर्च्छति मारूतस्य।।

(स) क्षतात्किल त्रायत इत्युदग्र, क्षत्त्रस्यशब्दो भुवनेषु रूदः ।
राज्ये न किं त दि्वपरीत वृत्तेः, प्रापैरूपक्रोशमलीमसैर्वा ।।

प्र.7 महाकाव्य के लक्षण के परिप्रेक्ष्य रघुवंश की समालोचना कीजिये।

प्र.8 किन्हीं दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिये –

(क) येषां न विद्या न तपो न दानं, ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः ।
ते मृत्यु लोके भुविभारभूता, मनुष्यरूपेण मृगाश्चरिन्त ।।

(ख) जाड्यं धियो हरति सिन्चति वाचि सत्यम्
मानोन्ततिं दिशति पापमपाकरोति।
चेतः प्रसादयति दिक्षु तनोति कीर्ति,
सत्सङ्.गति कथय किं न करोति पुंसाम्।।

(ग) विपदि धैर्यमथाभ्युदयेक्षमा, सदसि वाक्पटुतायुधि विक्रमः।
पशशिचाभिरूचि र्व्यसनं श्रुतौ प्रकृति सिद्धमिदं हि महात्मानम्।।

प्र.9 निम्नांकित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

1. उत्तर रामचरितम्

2. किरातार्जुनीयम्

3. विक्रमांक देवचरितम्

4. कादम्बरी

प्र.10 (अ) किन्हीं दो रचनाओं की विशेषताओं का उल्लेख कीजिये –

1. भामिनीविलास

2. नलचम्पू

3. वेताल पंचविंशति

4. अमरूक शतक

(ब) संस्कृत गीति काव्य की विशेषताओं का वर्णन कीजिये।

––00––